भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 26.06.2019

शुरू होगा आर्किटेक्चर विभाग

20 छात्रों का होगा दाखिला निदेशक प्रो. जैन ने गिनाईं संस्थान की उपलब्धियां

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), बीएचयू में इस वर्ष से एक और नया विभाग शुरू हो जाएगा। इस आर्किटेक्चर विभाग का शुरू होना संस्थान की बड़ी उपलब्धि है। मौजूदा शैक्षणिक सत्र में इस पाठ्यक्रम में 20 छात्रों के दाखिले लिए जाएंगे। इसका मकसद आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में निपुण मानव संसाधन तैयार करना है, जो राष्ट्र निर्माण के साथ मेक इन इंडिया जैसे अभियान के लिए मील के पत्थर साबित होंगे। यह बातें निदेशक कार्यालय- आइआइटी स्थित समिति कक्ष में मंगलवार को पत्रकारवार्ता में निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने कही।

उन्होंने बताया कि संस्थान में वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। संस्थान की 30 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसमें यूपीडा, उत्तर प्रदेश सरकार से स्वीकृत रक्षा अनुसंधान कॉरिडोर, प्रधानमंत्री कृषि विकास योजना-रफ्तार, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की एआरसीआइएस आदि शामिल हैं। इन परियोजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि करोड़ों में है। बताया कि संस्थान की तीन स्पार्क योजनाएं भी

आइआइटी बीएचयू में प्रेसवार्ता करते प्रो. पीके मिश्रा, प्रमोद कुमार जैन (निदेशक) प्रो. राजीव प्रकाश (बाएं से) ● जागरण

स्वीकृत हुई हैं, जो प्रो. राजीव प्रकाश, प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव व प्रो. आरएस सिंह के निर्देशन में चल रही हैं। इसी तरह तीन इंप्रिंट परियोजनाएं भी मंजूर हुई हैं, जो डा. बिंद कुमार, डा. जाहर सरकार व प्रो. राजीव प्रकाश के निर्देशन में चलाई जा रही हैं। इसके अलावा संस्थान ने शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए 13 राष्ट्रीय व पांच अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

आधुनिक सुविधा युक्त न्यू गर्ल्स हास्टल : प्रो. जैन ने बताया कि हास्टल समस्या को दूर करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यू गर्ल्स हास्टल का निर्माण किया गया है। मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही इस हास्टल में कमरों का आवंटन होगा। इसमें छात्राओं के लिए वाई-फाई, स्ट्रीट लाइट, खेल के मैदान, जिम, लिफ्ट, लाइब्रेरी आदि सुविधाएं होंगी।

आइआइटी

- 30 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को मिली स्वीकृति
- मेक इन इंडिया जैसे अभियान के लिए साबित होगा मील का पत्थर

पांच वर्षों के लिए चार केंद्र

महामना मदन मोहन मालवीय के विचारों को आगे बढ़ाने की दिशा में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संस्थान में अगले पांच वर्षों के लिए चार नए केंद्र बनाए जाएंगे। सेंटेनरी इनोवेशन एंड रिसर्च पार्क (सीआइआरपी), सेंटेनरी डिफेंस एंड प्रीसीजन इंजीनियरिंग हब (सीडीपीईएच), ग्लोबल आउटरीच एंड इंगेजमेंट (जीओई) व मालवीय स्टूडेंट एक्टिविटी एंड कंप्यूटिंग सेंटर (एमएसएसीसी) को स्थापना में करीब 230 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। इसके लिए संबंधित मंत्रालयों से अनुरोध किया जा रहा है। इन केंद्रों की स्थापना के बाद संस्थान इनोवेशन एंड रिसर्च व कंप्यूटिंग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा।